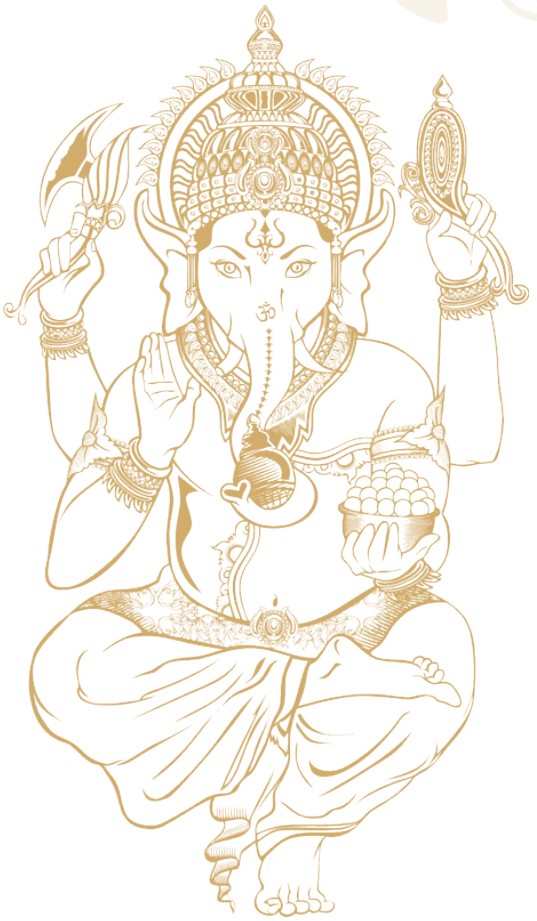

Rahul

Shrusti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121333702

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
17/08/1999 :	जन्म तिथि	: 06/05/2002
मंगलवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 14:00:00 :	जन्म समय	: 10:00:00 घंटे
घटी 19:15:35 :	जन्म समय(घटी)	: 09:46:04 घटी
India :	देश	: India
Surat :	स्थान	: Nandurbar
21:10:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:22:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:32:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:17:46 :	सूर्योदय	: 05:59:25
19:07:28 :	सूर्यास्त	: 18:59:48
23:50:55 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 11वर्ष 11मा 11दि	14:37:49	वृश्चि	लग्न	मिथु	20:00:30	राहु 10वर्ष 2मा 11दि
गुरु	00:09:45	सिंह	सूर्य	मेष	21:35:40	गुरु
29/07/2011	11:09:01	तुला	चंद्र	कुंभ	12:26:44	17/07/2012
29/07/2027	26:17:42	तुला	मंगल	वृष	21:18:02	17/07/2028
गुरु 15/09/2013	11:44:28	कर्क	बुध	वृष	12:14:29	गुरु 04/09/2014
शनि 28/03/2016	11:02:21	मेष	गुरु	मिथु	17:53:28	शनि 17/03/2017
बुध 04/07/2018	05:07:06	सिंह व	शुक्र	वृष	18:47:33	बुध 23/06/2019
केतु 10/06/2019	23:11:23	मेष	शनि	वृष	20:13:52	केतु 29/05/2020
शुक्र 08/02/2022	19:02:25	कर्क व	राहु व	वृष	24:29:47	शुक्र 28/01/2023
सूर्य 27/11/2022	19:02:25	मक व	केतु व	वृश्चि	24:29:47	सूर्य 16/11/2023
चन्द्र 28/03/2024	20:35:15	मक व	हर्ष	कुंभ	04:38:12	चन्द्र 17/03/2025
मंगल 04/03/2025	08:32:57	मक व	नेप	मक	17:04:54	मंगल 21/02/2026
राहु 29/07/2027	13:53:24	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:11:39	राहु 17/07/2028

लग्न-चलित

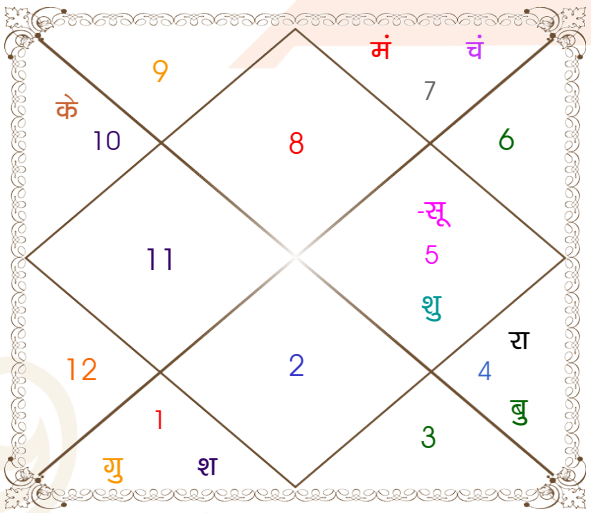

लग्न-चलित

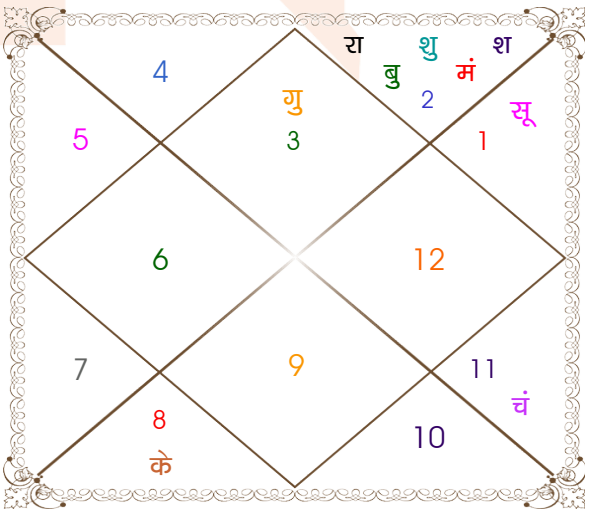

Dr.Pankaj R. Trivedi Shree Harsiddhi JYOTISH Katyalaya
137 Swagat Complex Kadodara Tal Palsana Distrct Surat Gujrat-394327
9925223039
harsiddhi.kdr@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	अश्व	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rahul का वर्ग मृग है तथा Shrusti का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और Shrusti का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rahul कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Rahul कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shrusti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Shrusti कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Shrusti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Shrusti कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Shrusti कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rahul कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा Shrusti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।